सरकार द्वारा संचालित अटल इनोवेशन मिशन के तहत् अटल टिकंरिग लैब का विश्लेषणात्मक अध्ययन

डॉ. शिप्रा गुप्ता
रीडर,
बियानी गर्ल्स बी.एड. कॉलेज, जयपुर

सन्जू जांगिड़
बी.एड.एम.एड. छात्रा,
बियानी गर्ल्स बी.एड. कॉलेज, जयपुर

सारांश

नीति आयोग 2015 के तहत भारत सरकार द्वारा अटल इन्नोवेशन मिशन का गठन किया। भारत सरकार ने इस मिशन के तहत अटल टिकंरिग लैब का गठन किया । इस लैब के माध्यम से विद्यार्थी करके सीखने के गुणों का विकास कर सकेंगे। व विद्यार्थियों में नवाचारों रचनात्मक व कौशल विकसित कर सकेंगे। प्रस्तुत शोध अटल लैब में उद्देश्यों का अध्ययन व अटल लैब में होने वाले इनोवेशन का पता लगाने पर केंद्रित है ।प्रस्तुत शोध में शोधकर्त्री ने राजस्थान के जयपुर जिले के अटल लैब वाले विद्यालयों का चयन किया। न्यायदर्श के रूप में अटल लैब वाले विद्यालयों के प्राचार्य व अटल लैब में नामांकित विद्यार्थियों का चयन किया है । अतः अध्ययन के निष्कर्ष के रूप में पाया गया है। कि अटल लैब में कार्यरत विद्यार्थियों में नवीनीकरण व उधमशीलता की मानसिकता को पोषित करने की ओर ध्यान दिया जा रहा है व विद्यार्थी समस्याओं को नवीन तरीके से समाधान करने में सक्षम हो रहे हैं।

तकनीकी शब्दावली : *अटल टिकरिंग लैब, अटल इनोवेशन मिशन*

१.परिचय

अटल लैब से युवा इन्नोवेटिव थिंकर्स को प्रोत्साहन मिल रहा है । तथा इस लैब के माध्यम से युवाओं व विद्यार्थियों को भविष्य में स्वरोजगार की तरफ उन्मुख होने का मौका मिलेगा तथा इस कार्यक्रम के जरिए विद्यालयी बच्चे नए जमाने की तकनीकी से आधुनिक उपकरण बनाने अपने कौशल व नवाचारों को प्रदर्शित कर सकेंगे। तथा भविष्य में उद्यमी के रूप में विकसित होकर राष्ट्र के विकास में योगदान दे सकेंगे। अटल लैब से विद्यार्थियों के बीच इनोवेशन रचनात्मक और वैज्ञानिक पहलुओं को बढ़ावा मिल रहा है तथा शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में योगदान मिल रहा है। शिक्षा वह होती है, जो बालक की अन्तर्निहित शक्तियों को या गुणों को विकसित करके बालक का सर्वागिण विकास करती है। शिक्षा मनुष्य की अभिक्षमता को विकसित कर उसके कौशलों को बाहर निकालने का कार्य करती है। अतः शिक्षा जीवन पयन्त चलने वाली प्रक्रिया है, जो समाज को शिक्षित करने के साथ साथ सत्त के संचालन में सहायक होती है। शिक्षा ही है, वह जो जिससे बालक के ज्ञान, कला एवं कौशल में वृद्धि एवं व्यवहार परिवर्तन किया जा सकता है और बालक को सभ्य, सुसंस्कृत एवं योग्य नागरिक बनाया जा सकता है। आधुनिक युग में शिक्षा को व्यवहारिक व जीवन से संबंधित बनाया जा रहा है। शिक्षा के सिद्धान्त ''करके सीखने का सिद्धान्त'' के अनुसार प्रत्येक विद्यालय में प्रयोगशाला का उपयोग करना अति महत्वपूर्ण है।

ज्ञान को स्थायी एवं उपयोगी बनाने के लिए प्रयोगशालों का उपयोग विद्यालय में अति महत्वपूर्ण है। प्रयोगशाला से बालकों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, रचनात्मकता, उत्सुकता, निरीक्षण व तर्क शक्ति का विकास होता है।

इसी प्रकार केन्द्रिय सरकार ने नीति आयोग 2015 के तहत् अटल इनोवेशन मिशन का गठन किया। अटल इनोवेशन मिशन भारत सरकार की एक पहल है, जो नीति आयोग द्वारा स्थापित की गई है। इसे सार्वजनिक–निजी भागीदारी से भारत भर में नवीनीकरण एवं उद्यमशीलता का तन्त्र बनाने के उद्देश्य से तैयार किया है। अटल इनोवेशन मिशन के तहत् अलग अलग प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। अटल टिंकरिंग लैब की पहल का उद्देश्य भारतीय शिक्षा प्रणाली में बदलाव लाना है, इसमें एक प्रतिमान निस्थापन हुआ है, जहां 12 साल जैसी कम उम्र के बच्चे भी तकनीकी व नवीनीकरण की दुनिया से रूबरू हो सकेंगें और भारतीय स्कूलों में सांस्कृतिक रूप से भिन्न सूक्ष्म वातावरण को अनुभव कर सकेंगे, जिससे बिना किसी निश्चित पाठ्यक्रम के बआलक अपने पसंद के क्षेत्र में कार्य कर सकता है।

२.समस्या का औचित्य

इस मिशन के तहत अटल टिंकरिग लैब की स्थापना विद्यार्थियों में नवीनीकरण और उद्यमिता के भाव व कौशल निर्माण को जागृत करने के उद्देश्य से की गई हैं। इस मिशन के तहत् भारत सरकार के द्वारा अटल लैब की स्थापना विद्यार्थियों को नवप्रर्वतक व 10000 उद्यमी के रूप में विकसित होने के उद्देश्य से किया गया है। अतः इस लैब के दौरान कितने बच्चों की योजना का लाभ मिल रहा है तथा यह योजना किस स्तर तक सफल हो रही है व यह योजना भारत निर्माण में कितना सुल योगदान दे रही है तथा सफल योजना के रूप में कार्य कर रही है या नहीं, अतः शोधकर्त्री ने इसलिए इस समस्या को शोध हेतु चयन किया।

३.शोधकर्त्री के मस्तिष्क में समस्या से उत्पन्न हुए प्रश्न

१. संचालित योजना किस स्तर तक सफल है?
२. क्या यह योजना विद्यार्थियों के वैज्ञानिक दृष्टिकोण को विकसित कर एक नवप्रर्वतक के रूप में विकसित करने में सहायक है।
३. क्या इस योजना के दौरान सभी नामांकित विद्यार्थी लाभान्वित हो रहे है?
४. क्या इस योजना के उद्देश्य की पूर्ति हो रही है?
५. इस योजना के उद्देश्यों की पूर्ति किस स्तर तक हो रही है?

४.सम्बन्धित साहित्य

डॉ. एस.सी पाटिल प्रो. अमरेश बी चरण्तिमथ (2021) ने ''कौशल विकास कार्यक्रमों के माध्यम से रोजगार–रोजगार कौशल के महत्व का एक सिंहावलोकन'' विषय पर एक अध्ययन किया गया। अध्ययन का उद्देश्य रोजगार योग्यता कौशल की आवश्यकता को समझना और वांछित बनाम स्वामित्व वाले कौशल का अन्तर का अध्ययन करता था। अध्ययन में निष्कर्ष पाया गया कौशल अन्तराल को प्रशिक्षण, शिक्षा और अल्पकालिक पाठ्यक्रमों से पूरा किया जा सकता है। प्रयासों के बावजूद छोड़े गए ज्ञान को कौशल में बदलने की अभी भी काफी गुंजाइश है। भारत सरकार के विभिन्न महत्वाकांक्षी मिशन यानी मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत, 5 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था के सपने आदि सामूहिक प्रयासों से साकार हो सकते है।

विद्याधर बनजावाद डॉ. मुक्ता (2020) ने भारत में कौशल विकास के लिए वर्तमान स्थिति, चुनौतियों और सरकारी पहलों का पता लगाने के उद्देश्य से ''भारत में ग्रामीण युवाओं के लिए कौशल विकास कार्यक्रमों पर एक अध्ययन'' पर एक अध्ययन किया गया। अध्ययन में निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि पर्यावरणीय रूप से टिकाऊ ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने में मौलिक है। ग्रामीण विकास पर कौशल, नीतियों और रणनीतियों को आत्मसात करने की तत्काल आवश्यकता है। शिक्षा में कौशल आधारित प्रशिक्षण और उद्योग लिंक प्लेसमेंट सुविधा का समावेश अपरिहार्य है। वास्तविक अर्थो में ग्रामीण विकास के लिए ग्रामीण भारत में युवाओं की वर्तमान आवश्यकताओं को अनुकूलित करने और उनसे मेल खाने के लिए कौशल विकास समय की मांग है। इस प्रकार, भारत जैसे बड़ी युवा आबादी वाले विकासशल देशों के लिए शिक्षा/कौशल विकास एक तत्काल और महत्वपूर्ण आवश्यकता है।

अनीता स्वैन, सुनीता स्वैन (2020) ने ''भारत में कौशल विकास'' पर एक अध्ययन किया गया। अध्ययन का उद्देश्य राष्ट्रीय कौशल विकास निगम से प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण करना है। व अध्ययन में निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि भारत, लगभग 60 प्रतिशत युवा आबादी के साथ दुनिया की दूसरी आबादी वाला देश है व जिसके 'जनसांख्यिकीय लाभांश' है और उसके लिए पूंजीकरण की आवश्यकता है। लाभ प्राप्त करना जो देश की अर्थव्यवस्था में मूल्य जोड़ सकता है और देश में कुशल कार्यबल प्रदान करके 'मेक इन इण्डिया' अभियान का भी समर्थन कर सकता है। कौशल भारत मिशन के लिए देश में रोजगार सृजन बढ़ाने के लिए उद्यमिता कौशल पर अधिक ध्यान देने की आवश्ककता है, जैसी विभिन्न योजनाएं। भारतीय युवाओं को कौशल और रोजगारपरक बनाने के लिए भारत सरकार द्वारा पीएमकेवीवाई, डीडीयू–जीकेवाई आदि शुरू किए गए है। भारतीय युवाओं को ऐसी योजनाओं के बारे में जागरूक होना चाहिए, आवश्यक प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहिए और खुद को रोजगार योग्य बनाना चाहिए।

रजनी सिंह (2019) ने ''इंजीनियरिंग स्नातकों के कौशल विकास पर अनुसंधान आधारित शिक्षा : एक अनुभवजन्य अध्ययन'' पर एक अध्ययन किया। अध्ययन में कौशल विकास के लिए इंजीनियरिंग शिक्षा में थीसिस/शोध प्रबंध की भूमिका पता लगाने का प्रयास किया और भारतीय इंजीनियरिंग स्नातकों के अनुभवजन्य आधार पर, अध्ययन में निष्कर्ष प्राप्त हुआ अनुसंधान आधारित शिक्षा समस्या समाधान, डोमेन ज्ञान, भाषा के विकास में योगदान देती है। संचार, संचार और आईटी, सामान्य शिक्षा, शैक्षणिक ज्ञान, दृष्टिकोण और नैतिकता कौशल। अध्ययन से यह भी पता चला कि अनुसंधान आधारित शिक्षा सबसे उपयुक्त है और अन्य कौशलों की तुलना में समस्या समाधान में अधिक सुधार कर करती है क्योंकि भारतीय इंजीनियरों में उन कौशलों की कमी है। अध्ययन में औद्योगिक युग में बढोत्री क्रांतियों को पूरा करने और इंजीनियरिंग स्नातकों के आवश्यक कौशल को बढ़ावा देने के लिए इंजीनियरिंग शिक्षा को फिर से इंजीनियरिंग करने के लिए लर्निंग फैक्ट्री जैसी प्रयोगशालाओं का उपयोग करके अनुसंधान आधारित शिक्षण को शामिल करने की आवश्यकता का प्रस्ताव दिया गया है।

दिलीप चेनाय (2019) विनिर्माण क्षेत्र में तेजी लाने के लिये कौशल विकास मेक इन इण्डिया नये युग के कौशल की भूमिका विषय पर एक अध्ययन किया। अध्ययन का उद्देश्य नये युग की प्रौद्योगिकियों द्वारा परिभाषित बदलते औद्योगिक परिदृश्य के संदर्भ में विभिन्न विनिर्माण क्षेत्रों में बढ़ते कौशल अन्तर को सम्बोधित करने के लिये सही कौशल विकसित करने पर ध्यान केन्द्रित करना था। अध्ययन से निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि भारत के जनसाख्यिक लाभों को केवल तभी महसुस किया जा सकता है। जब मौजूदा कार्य बल को आजीवन सीखने की पहल के माध्यम से फिर से कुशल और उन्नत किया जाये और नये रंग रूटों को 21वीं सदी के कौशल सेट के साथ तैयार किया जाए। अकेले सरकार के साथ कौशल–आधारित कार्यबल विकसित करना और मेक इन इण्डिया पहल को आगे बढ़ाने एक बड़ा काम है। इसलिए यह जरूरी है कि सरकार और उद्योग भागीदार बने और कुशल कार्यबल विकसित करने के लिए सामुहिक कार्यवाही करे।

५.शोध अन्तराल

प्रस्तुत शोध सरकार द्वारा संचालित अटल इनोवेशन मिशन के तहत अटल टिंकरिंग लैब का विश्लेषणात्मक अध्ययन करना है इससे सम्बन्धित अध्ययन निम्न है – डॉ. एस.सी. पाटिल, प्रो. अमरेश बी, चरण्तिमथ (2021), विद्याधर बनजावाद, डॉ. मुक्ता (2020), अनीता स्वैन, सुनीता स्वैन (2020) आदि शोधकर्ताओं द्वारा अनेक कौशल विकास कार्यक्रम, कौशल गतिविधियों, कौशल विकास की चुनौतियों, लाभ व समस्याओं पर अनेक कार्य किये। अतः इनके शोध निष्कर्ष शोधकर्त्री के लिए मार्गदर्शन का कार्य करते है तथा उपर्युक्त शोध साहित्य अटल टिंकरिंग लैब से सम्बन्धित क्षेत्र पर खोजपूर्ण व विस्तृत अध्ययन की गुंजाइश छोड़ता है अतः इसलिए शोधकर्त्री ने इस समस्या का चयन किया।

६.समस्या कथन

सरकार द्वारा संचालित अटल इनोवेशन मिशन के तहत् अटल टिकंरिग लैब का विश्लेषणात्मक अध्ययन।

७.शोध के उद्देश्य

१.सरकार द्वारा संचालित अटल इनोवेशन मिशन के तहत् अटल टिकंरिग लैब का अध्ययन करना।
२.विद्यालय में अटल टिकरिंग लैब में विद्यार्थियों के नामांकन करवाने के उद्देश्यों का अध्ययन करना।

८.शोध विधि

प्रस्तुत अध्ययन में शोध विधि हेतु **सर्वेक्षण** विधि का चयन किया गया है। **न्यादर्श :–**
प्रस्तुत अध्ययन में शोधकर्त्री ने साउद्देश्य न्यादर्श का चयन किया गया है अतः न्यादर्श के रूप में 20 अटल लैब वाले विद्यार्थियों का चयन किया गया है। आंकडों के विश्लेषण व व्याख्या हेतु प्रयुक्त सांख्यिकी विधि का प्रयोग किया गया है।

९.शोध उपकरण

प्रस्तुत शोध हेतु संरचित साक्षात्कार के लिए स्वनिर्मित प्रश्नावली का उपयोग किया गया तथा शोध के आयाम निम्न है –

- व्यावसायिक दक्षता
- रचनात्मकता
- वैज्ञानिक दृष्टिकोण

१०.परिणाम

वर्ग	न्यादर्श	प्रतिशत
हाँ	14	70 %
नहीं	6	30 %
कुल	20	100 %

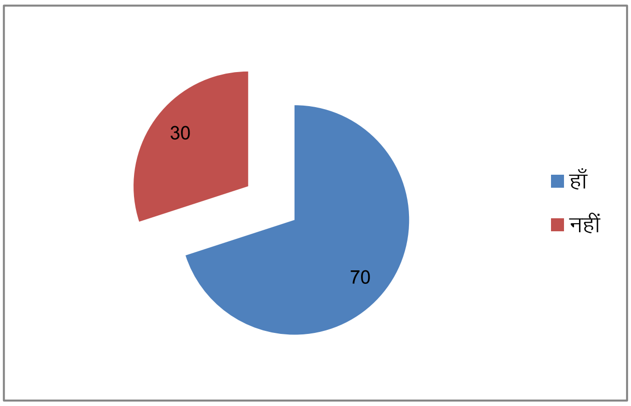

उद्देश्य 1 :– प्रस्तुत शोध के उद्देश्य पूर्ति के लिए विद्यालय के प्राचार्य व अटल लैब प्रभारी का साक्षात्कार किया गया। प्राचार्य अटल लैब प्रभारी का अटल लैब के उद्देश्य गतिविधियों, प्रशिक्षण

प्रोग्रामों, चुनौतियों व सुविधाओं की जानकारी हेतु साक्षात्कार किया गया तथा परिणामस्वरूप जयपुर शहर के 70 प्रतिशत अटल लैब वाले विद्यार्थियों में अटल लैब के प्रति जागरूकता सकारात्मक व 30 विद्यालयों में जागरूकता न्यून पायी गयी।

उद्देश्य 2 : प्रस्तुत शोध के उद्देश्य की पूर्ति के लिए अटल लैब के विद्यार्थियों का साक्षात्कार किया गया। साक्षात्कार के दौरान अटल लैब के विद्यार्थियों के नामांकन करनाने के उद्देश्य निम्न है –
१.नये नये इनोवेशन करना जिससे रचनात्मकता विकसित हो।
२.नये नये कौशलों का निर्माण करना जिससे विद्यार्थी भविष्य के उद्यमी के रूप में विकसित हो सके।
३.वैज्ञानिक दृष्टिकोण को विकसित करना।
४.अनुसंधान प्रोद्योगिकी व तकनीकी क्षेत्रों मे निपुण होना आदि।

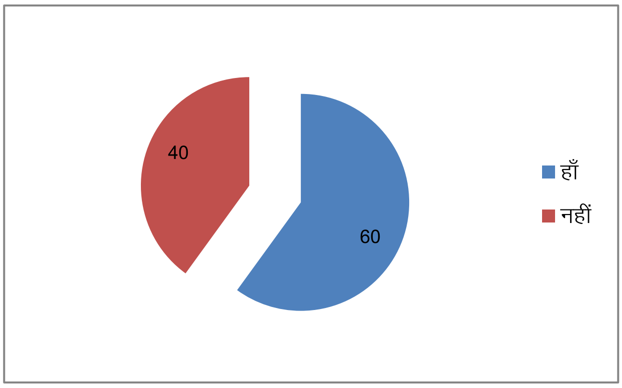

वर्ग	न्यादर्श	प्रतिशत
हाँ	**12**	**60 %**
नहीं	**8**	**40 %**
कुल	**20**	**100 %**

अतः इस उद्देश्य के प्रति 60 प्रतिशत अटल लैब विद्यार्थियों का दृष्टिकोण सकारात्मक पाया गया व 40 प्रतिशत विद्यार्थियों में अटल में नामांकन करवाने के उद्देश्य के प्रति दृष्टिकोण नकारात्मक पाया गया।

११.निष्कर्ष

भारत की ताकत उसकी युवा आबादी है तथा इस जनसंख्या का लाभ तभी उठाया जा सकता है तब मौजुदा कार्यबल को आजीवन सीखने की पहल के माध्यम से कौशल विकास किया जाए। राष्ट्र के उत्थान के लिए कौशल विकास कार्यक्रमों की क्षमता को बढ़ाने की आवश्यकता है तथा इसी प्रकार अटल लैब के दौरान विद्यार्थी कौशल विकसित करके राष्ट्र के विकास में योगदान दे सकते है जिससे नवीन भारत का निर्माण हो सकेगा।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

१. पाटिल, एम. सी. प्रो. अमरेश बी, चरण्मिथ 2021."कौशल विकास कार्यक्रम के माध्यम से रोजगार" रोजगार कौशल के महत्व का अवलोकन रचनात्मक अनुसंधान विचारों के अन्तराष्ट्रीय जर्नल
२. स्वेन, अनिता और सुनिता स्वेन 2020. "भारत में कौशल विकास चुनौतियाँ और अवसर" इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ सांइटिफिक रिसर्च एण्ड इंजिनियरिंग डवलपमेंट
३. वनजावाद, विद्याधर टी डॉ. मुक्त एस 2020. भारत में ग्रामीण युवाओं के लिए कौशल विकास कार्यक्रम पर एक अध्ययन, इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशन मॉर्डन मैनेजमेंट एप्लाइड सांइस एण्ड सोशल सांइस
४. चेनॉय, दिलिप 2019. "विनिर्माण क्षेत्र में तेजी से लाने के लिए कौशल विकास मेक इन इण्डिया के लिए नए युग के कौशल की भूमिका" इन्टरनेशनल जर्नलऑफ ट्रेनिंग रिसर्च
५. https://www.aim.gov.inlatl.php
६. https://www.isro.gov.in/inltalnew.html
७. https://byjusexamprep.com/current-affairs/atal-tinkering-labs-atl.